पर्यटन अध्ययन

बीटीएस
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2015)

टीएस–4 और टीएस–5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

बीटीएस सत्रीय कार्य

पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–4 और टीएस–5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर अपनी नामांकन सं., नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें।

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500–700 शब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आशा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) संगठनः अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें किः
   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
   ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।
   ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) प्रस्तुतिः जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ.अरविन्द कुमार दुबे
कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	जनवरी सत्र के लिए अंतिम तिथि	जुलाई सत्र के लिए अंतिम तिथि
टीएस–4	अप्रैल 15, 2015	अक्तूबर 15, 2015
टीएस–5	अक्तूबर 15, 2015	अप्रैल 15, 2016

टीएस–4 : भारतीय संस्कृति : पर्यटन के लिए परिप्रेक्ष्य

(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस–4 कार्यक्रम : बीटीएस

कुल अंक : 100 सत्रीय कार्य कोड : टीएस–4/टीएमए/2015

नोटः इस सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

भाग–। में दो प्रश्न हैं, जिनमें से आपको किसी एक का उत्तर देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखें।

भाग–।। में आठ प्रश्न हैं। जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

अपना टीएमए अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग–।

1. भारतीय सांस्कृतिक विरासत की प्रमुख विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए। 25

अथवा

2. भारतीय क्लासिकीय नृत्य के ऐतिहासिक विकास की चर्चा कीजिए। 25

भाग–।।

1. भारत में भक्ति और सूफी आंदोलन पर टिप्पणी लिखिए। 15

2. नृत्य से आप क्या समझते हैं? यह अभिनय से किस प्रकार भिन्न है? 15

3. भारत के महत्वपूर्ण अनुष्ठानों, रीति–रिवाजों और उत्सव समारोहों की भूमिका और प्रकार्यों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 15

4. आधुनिक भारतीय रंगमंच की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं? 15

5. प्राचीन भारत के विभिन्न मूर्तिकला रूपों की चर्चा कीजिए। 15

6. पर्यटकों को शिक्षित करने में संग्रहालयों की भूमिका का वर्णन कीजिए। पुरातत्व संग्रहालयों और शिल्प कला संग्रहालयों में क्या अंतर है? 15

7. क्या आप सहमत हैं कि पर्यटन को बढ़ावा देने में हस्तशिल्पों के प्रयोग से भारत में शिल्पकारों की स्थिति में सुधार हुआ है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपनी राय व्यक्त कीजिए। 15

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिएः (5x3=15)
   (क) संथाल जनजाति
   (ख) भारतीय आभूषण
   (ग) भारत में पर्यटन नीति
   (घ) रॉक–कट (चट्टान पर) स्थापत्य कला

टीएस–5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन

(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस–5 कार्यक्रम : बीटीएस

कुल अंक : 100 सत्रीय कार्य कोड : टीएस–5/टीएमए/2015

नोटः इस सत्रीय कार्य के दो भाग हैं।

भाग–। में दो प्रश्न हैं, जिनमें से आपको किसी एक का उत्तर देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है और इसका उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखें।

भाग–।। में आठ प्रश्न हैं। जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

अपना टीएमए अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग–।

1. ''वहन क्षमता'' शब्द से आप क्या समझते हैं? पर्यटन विकास में इसकी प्रासंगिकता और अनुप्रयोग की चर्चा कीजिए। 25

अथवा

2. भारत के विभिन्न जैव–भौगोलिक क्षेत्रों की चर्चा कीजिए। 25

भाग–।।

1. आर्द्र भूमि (वेट लैंड) की कुछ प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 15

2. 'परिरक्षण' और 'संरक्षण' शब्दों से आप क्या समझते हैं? पर्यटन विकास में उनके महत्व की चर्चा कीजिए। 15

3. पर्यटन नियोजन और विकास में मेजबान जनसंख्या की भूमिका का वर्णन कीजिए। 15

4. पर्यावरण के संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा पारित कुछ प्रमुख अधिनियमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 15

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिएः (5x3=15)
   (क) वित्तीय छूट/रियायत
   (ख) चिपको आंदोलन
   (ग) गुणक प्रभाव (मल्टीप्लायर एफेक्ट)

6. उपयुक्त उदाहरणों के साथ वैकल्पिक पर्यटन की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। 15

7. पर्यटन और पारिस्थितिकी तंत्र के बीच के पारस्परिक संबंधों की चर्चा कीजिए। 15

8. चर्चा कीजिए कि पर्यटक स्थलों पर आगन्तुकों/सैलानियों का व्यवहार किस प्रकार इसके पर्यावरण को प्रभावित करता है? 15